
Arbudachala Stuti

अर्बुदाचलस्तुतिः

Document Information



Text title : Arbudachala Stuti

File name : arbudAchalastutiH.itx

Category : shiva, stuti

Location : doc_shiva

Proofread by : Narendran Madathil

Latest update : July 20, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

July 21, 2026

sanskritdocuments.org

अर्बुदाचलस्तुतिः



अर्बुदाचल पर्वताधिप दिव्यमूर्ते पाहि माम् ।
अद्भुताकृतिसुन्दरागम-गीतकीर्ते पाहि माम् ॥ १ ॥
पार्वतीप्रियसोदरोत्तम पश्चिमाद्रे पाहि माम् ।
पद्मसम्भव-सम्भवाश्रय श्रीविभूते पाहि माम् ॥ २ ॥
मानदण्डमुनीन्द्रतपसः सर्वसिद्धिवराकर ।
मङ्गलीकृत-शुष्कमरुभूः मौनमन्दिर पाहि माम् ॥ ३ ॥
वह्निरूपाचलमहेश्वर-दत्त-सम्पदलङ्कृत । (विह्निरूपाचल?)
ज्ञानकन्यकुमारिकाश्री-पादुकाञ्चित पाहि माम् ॥ ४ ॥
सर्वजीवाभयद-कानन-सज्जितागकलेवर ।
सकलतीर्थाश्रय महाशय संविदालय पाहि माम् ॥ ५ ॥
यत्र नास्ति कलिप्रवेशः क्लेशनाशकराबुदे ।
तत् स्वयं शाम्भवसमावेशात्मभूमा राजते ॥ ६ ॥
इति अर्बुदाचलस्तुतिः सम्पूर्णा ।

Proofread by Narendran Madathil

Arbudachala Stuti

pdf was typeset on July 21, 2026

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

